

09/2/2022

2017
20204

फाफली पेय (ए) इच्छित वारीग
 अनुपालित आवाज लावायी गरी
 इच्छित वारीग अथवा वारीग स्वयं
 उपालित नेही दुरा अतः फफली अदम
 हाजरी, अदम पैरवी से शारीर किय
 जालेही फाफली फफली सुमार होकर
 नमकर से काम हो।

(विष्णु सुन्दर विरगोई)
 महासक कलेक्टर एवं
 उपसक अधिकारी
 (राज.)

